Shri Ganesh Shendur Laal Chadhayo Ganesh Aarti Lyrics

Shri Ganesh Shendur Laal Chadhayo Ganesh Aarti Lyrics in Hindi

शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुखको ।
दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहरको ।
हाथ लिए गुडलद्दु सांई सुरवरको ।
महिमा कहे न जाय लागत हूं पादको ॥
जय देव जय देव..

जय देव जय देव,
जय जय श्री गणराज
विद्या सुखदाता
धन्य तुम्हारा दर्शन
मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ॥

अष्टौ सिद्धि दासी संकटको बैरि ।
विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी ।
कोटीसूरजप्रकाश ऐबी छबि तेरी ।
गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारि ॥
जय देव जय देव..

जय देव जय देव,
जय जय श्री गणराज
विद्या सुखदाता
धन्य तुम्हारा दर्शन
मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ॥

भावभगत से कोई शरणागत आवे ।
संतत संपत सबही भरपूर पावे ।

ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे ।
गोसावीनंदन निशिदिन गुन गावे ॥

जय देव जय देव,
जय जय श्री गणराज
विद्या सुखदाता
धन्य तुम्हारा दर्शन
मेरा मन रमता,
जय देव जय देव ॥

Shri Ganesh Shendur Laal Chadhayo Ganesh Aarti Lyrics in English and Hinglish

Shendur laal chadhayo accha gajmukhko.
Don dil laal viraje sut gaurihar ko.
Hath liye gudladdoo saai suravarkho.
Mahima kahe na jaaye lagat hu paadko.
Jai dev jai dev..

Jai dev jai dev,
Jai Jai Shri Ganraj
Vidya sukhdata
Dhanya tumhara darshan
Mera man ramta,
Jai dev jai dev.

Ashtau siddhi daasi sankatko bhairi.
Vighnavinashan mangal moorat adhikari.
Kotisurajprakash aebi chhabi teri.
Gandsthalmadhmastak jhoole shashibihari.
Jai dev jai dev..

Jai dev jai dev,
Jai Jai Shri Ganraj
Vidya sukhdata
Dhanya tumhara darshan
Mera man ramta,
Jai dev jai dev.

Bhavbhagat se koi sharanagat aave.
Santat sampat sabhi bharpur paave.
Aise tum maharaj moko ati bhave.
Gosavinandan nishidin gun gaave.

Jai dev jai dev,
Jai Jai Shri Ganraj
Vidya sukhdata
Dhanya tumhara darshan
Mera man ramta,
Jai dev jai dev.

Shri Ganesh Shendur Laal Chadhayo Ganesh Aarti Meaning in Hindi

शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुखको ।

- **व्याख्या :** भगवान गणेश को लाल सिंदूर चढ़ाया गया है। यह उनके प्रति श्रद्धा और प्रेम का प्रतीक है।

2. दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहरको ।

- **व्याख्या :** गणेश जी का दिल लाल रंग का है, और वे माता पार्वती और भगवान शिव के पुत्र हैं। यह उनकी दिव्यता को दर्शाता है।

3. हाथ लिए गुडलड्डु सांई सुरवरको ।

- **व्याख्या :** गणेश जी ने हाथ में मोदक (गुड़ और चावल से बने लड्डू) पकड़ा हुआ है, जो उनकी पसंदीदा भोग है। यह उनकी खुशी और समृद्धि का प्रतीक है।

4. महिमा कहे न जाय लागत हूं पादको ॥

- **व्याख्या :** गणेश जी की महिमा का वर्णन करना असंभव है। उनके चरणों की पूजा करने से भक्ति और समर्पण की भावना व्यक्त होती है।

5. जय देव जय देव..

- **व्याख्या :** यह वाक्य गणेश जी की महिमा का उद्घोष है, जिसमें उनकी पूजा और प्रशंसा की जाती है।

6. जय देव जय देव,

- **व्याख्या :** यह पुनः गणेश जी की जयकार है, जो उनकी महानता को दर्शाता है।

7. जय जय श्री गणराज

- **व्याख्या :** गणेश जी को गणराज के रूप में संबोधित किया जा रहा है, जो सभी गणों के राजा हैं।

8. विद्या सुखदाता

- **व्याख्या :** गणेश जी ज्ञान और सुख के दाता हैं। वे अपने भक्तों को शिक्षा और संतोष प्रदान करते हैं।

9. धन्य तुम्हारा दर्शन

- **व्याख्या :** गणेश जी के दर्शन करना बहुत भाग्य की बात है। यह भक्तों के लिए एक विशेष अनुभव है।

10. मेरा मन रमता,

- **व्याख्या :** भक्त का मन भगवान गणेश की भक्ति में रम गया है। उनके प्रति श्रद्धा और प्रेम की भावना है।

11. जय देव जय देव ॥

- **व्याख्या :** फिर से गणेश जी की जयकार की जा रही है।

12. अष्टौ सिद्धि दासी संकटको बैरि ।

- **व्याख्या :** गणेश जी के पास अष्ट सिद्धियों (आठ प्रकार की सिद्धियों) का अधिकार है, जो संकट और दुश्मनों का नाश करते हैं।

13. विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी ।

- **व्याख्या :** वे विघ्न (बाधाओं) का नाश करते हैं और मंगल का स्वरूप हैं, अर्थात् हर कार्य को सफल बनाते हैं।

14. कोटीसूरजप्रकाश ऐबी छबि तेरी ।

- **व्याख्या :** आपकी छवि कोटियों सूरजों के प्रकाश से भी अधिक सुन्दर है। यह गणेश जी की दिव्यता को दर्शाता है।

15. गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारि ॥

- **व्याख्या :** गणेश जी का मस्तक चंद्रमा के समान सुंदर है। यह उनकी आकर्षण और महिमा को व्यक्त करता है।

16. भावभगत से कोई शरणागत आवे ।

- **व्याख्या :** जो भक्त सच्चे दिल से आपके पास आते हैं, उन्हें आपकी शरण मिलती है।

17. संतत संपत सबही भरपूर पावे ।

- **व्याख्या :** आपके आशीर्वाद से सभी भक्तों की संपत्ति और समृद्धि बढ़ती है।

18. ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे ।

- **व्याख्या :** भगवान गणेश, आप मुझे बहुत प्रिय हैं और मैं आपके प्रति गहरी श्रद्धा रखता हूँ।

19. गोसावीनंदन निशिदिन गुन गावे ॥

- **व्याख्या :** भक्त हमेशा आपकी प्रशंसा और गुणों का गान करते हैं। यह आपकी महिमा को फैलाने का एक तरीका है।

20. जय देव जय देव,

- **व्याख्या :** पुनः गणेश जी की जयकार की जा रही है।

21. जय जय श्री गणराज

- **व्याख्या :** गणेश जी को फिर से गणराज के रूप में संबोधित किया जा रहा है।

22. विद्या सुखदाता

- **व्याख्या :** गणेश जी ज्ञान और सुख के दाता हैं।

23. धन्य तुम्हारा दर्शन

- **व्याख्या :** गणेश जी के दर्शन करना भाग्य की बात है।

24. मेरा मन रमता,

- **व्याख्या :** भक्त का मन भगवान गणेश की भक्ति में लगा हुआ है।

25. जय देव जय देव ॥

- **व्याख्या :** फिर से गणेश जी की जयकार की जा रही है।

यह भजन भगवान गणेश की महिमा, उनके गुणों, और भक्तों के प्रति उनके करुणामय स्वभाव का वर्णन करता है।

Shri Ganesh Shendur Laal Chadhayo Ganesh Aarti Meaning in English

शेंदुर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुखको ।

- **Explanation:** Red sindoor (vermilion) is offered to the elephant-faced Lord Ganesha, symbolizing devotion and love.

2. दोंदिल लाल बिराजे सुत गौरिहरको ।

- **Explanation:** Ganesha’s heart is described as red, and he is the son of Goddess Parvati and Lord Shiva, indicating his divine lineage.

3. हाथ लिए गुडलड्डु सांई सुरवरको ।

- **Explanation:** Ganesha holds a modak (a sweet dumpling made of rice flour and filled with coconut and jaggery) in his hand, which is his favorite offering, symbolizing joy and abundance.

4. महिमा कहे न जाय लागत हूं पादको ॥

- **Explanation:** It is impossible to describe the greatness of Ganesha; worshipping his feet expresses devotion and reverence.

5. जय देव जय देव..

- **Explanation:** This phrase is an exclamation of praise for Ganesha, recognizing his glory and significance.

6. जय देव जय देव,

- **Explanation:** This is a repeated call of praise for Ganesha, emphasizing his greatness.

7. जय जय श्री गणराज

- **Explanation:** Ganesha is referred to as Ganraj, the king of all beings, underscoring his authority and majesty.

8. विद्या सुखदाता

- **Explanation:** Ganesha is the giver of knowledge and happiness, highlighting his role in bestowing wisdom and contentment upon his devotees.

9. धन्य तुम्हारा दर्शन

- **Explanation:** To see Ganesha is a great blessing; it is a moment of divine experience for his devotees.

10. मेरा मन रमता,

- **Explanation:** The devotee expresses that their mind is absorbed in the devotion of Ganesha, indicating deep love and admiration.

11. जय देव जय देव ॥

- **Explanation:** The call for Ganesha’s praise is repeated again.

12. अष्टौ सिद्धि दासी संकटको बैरि ।

- **Explanation:** Ganesha has the power over the eight Siddhis (spiritual accomplishments), which help remove obstacles and enemies.

13. विघ्नविनाशन मंगल मूरत अधिकारी ।

- **Explanation:** He destroys obstacles (Vighna) and is the embodiment of auspiciousness (Mangal), ensuring success in endeavors.

14. कोटीसूरजप्रकाश ऐबी छबि तेरी ।

- **Explanation:** Your form is more radiant than millions of suns, highlighting Ganesha’s divine and mesmerizing appearance.

15. गंडस्थलमदमस्तक झूले शशिबिहारि ॥

- **Explanation:** Ganesha’s head is as beautiful as the moon, symbolizing his charm and divinity.

16. भावभगत से कोई शरणागत आवे ।

- **Explanation:** Anyone who sincerely seeks refuge in Ganesha receives

his protection and grace.

17. संतत संपत सबही भरपूर पावे ।

- **Explanation:** By Ganesha’s blessings, all devotees attain wealth and prosperity.

18. ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे ।

- **Explanation:** Lord Ganesha, you are greatly loved by me, and I hold deep reverence for you.

19. गोसावीनंदन निशिदिन गुन गावे ॥

- **Explanation:** Devotees sing the glories of Ganesha day and night, reflecting their devotion and admiration for him.

20. जय देव जय देव,

- **Explanation:** The call for Ganesha’s praise is repeated once more.

21. जय जय श्री गणराज

- **Explanation:** Ganesha is once again addressed as Ganraj, emphasizing his supreme status among all.

22. विद्या सुखदाता

- **Explanation:** Ganesha is acknowledged as the provider of knowledge and happiness.

23. धन्य तुम्हारा दर्शन

- **Explanation:** To witness Ganesha is a great blessing and a moment of grace for devotees.

24. मेरा मन रमता,

- **Explanation:** The devotee expresses that their mind is engaged in the devotion of Ganesha.

25. जय देव जय देव ॥

- **Explanation:** The call for Ganesha’s praise concludes with another exclamation of reverence.

This bhajan describes the glory, attributes, and compassionate nature of Lord Ganesha, emphasizing his significance in the lives of his devotees.